B.A.- III CBCS Pattern Semester-VI

BA36B-4 - Pali & Prakrit Literature

P. Pages : 5 **GUG/W/23/13438**

Time : Three Hours * 4 8 7 6 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्न अनिवार्य आहेत.
सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. स्वीकृत माध्यमात उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में उत्तर लिखिए।

1. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

एवम्पि खो आयस्मा आनन्दो भगवता ओलारिके निमित्ते करियमाने, ओलारिके ओभासे करियमाने नासक्खि पटिविज्झितुं। नं भगवन्तं याचि- तिट्ठतु, भन्ते भगवा, कप्पं, तिट्ठतु सुगतो कप्पं बहुजन हिताय बहुजन सुखाय लोकानुकम्पाय अन्याय हिताय सुखाय देवमनुस्सनन्ति।' यथा तं मारेन परियुट्ठितचित्तो। अथ खो भगवा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि - गच्छ त्वं आनन्द। यस्स दानि कालं मञ्ञसी' ति। 'एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पटिस्सुत्वा उट्ठायासना भगवन्तं अभिवादेत्वा पदक्खिणं कत्वा अविदूरे अञ्ञतरस्मिं रक्खमूले निसीदि।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा येनुपट्ठानसाला तेनुपसङ्कमि। उपसङमित्वा पञ्ञत्ते आसने निसीदि। निस्सज्ज खो भगवा भिक्खू आमन्तेसि- तस्मातिह भिक्खवे। ये ते मया धम्मा अभिञ्ञा देसिता। ते वो साधुकं उग्गहेत्वा आसेवितब्बा भावेतब्बा बहुलीकातब्बा। यथायिदं ब्रह्मचरियं अध्दनियं अस्स चिरट्ठितिकं। तदस्स बहुजन हिताय बहुजन सुखाय लोकानुकम्पाय अत्थाय हिताय सुखाय देवामनुस्सानं। कतमे च ते भिक्खवे। धम्मा मया अभिञ्ञा देसिता? ते वो साधुकं उग्गहेत्वा आसेवितब्बा भावेतब्बा बहुलीकातब्बा, यथयिदं ब्रह्मचरियं अध्दनियं अस्स चिरट्ठितिके, तदस्स बहुजनहिताय बहुजनसुखाय लोकानुकम्पाय अत्थाय हिताय सुखाय देव मनुस्सानं? सेय्यथिंद

ब) "अरियो अट्ठाङिगको मग्गो" सांगा. **6**
अरियो अट्ठाङिगको मग्गो" बताईए।

किंवा / अथवा

"आनन्दस्स याचना" स्पष्ट करा.
"आनन्दस्स याचना" स्पष्ट कीजिए।

2. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

इध भिक्खवे। भिक्खु एवं वदेय्य, 'सम्मुखा मे तं आवुसो। भगवतो सुत्तं सम्मुखा पटिग्गहीतं अथं धम्मो, अयं विनयो, इदं सत्थुसासनन्ति' तस्स भिक्खवे। भिक्खुनो भासितं नेव अभिनन्दितब्बं नप्पटिक्कोसितब्बा। अनभिनन्दित्वा अप्पटिक्कोसित्व तानि पदब्यञ्जनानि साधुकं उग्गहेत्वा सुते ओसारेतब्बानि, विनये सन्दस्सेतब्बानि। ताणि चे सुते ओसारियमानानि विनये सन्दास्सियमानानि, न चेव सुत्ते ओसरन्ति न च विनये सन्दिस्सन्ति निट्ठमेत्थ गन्तब्ब - अध्दा, इदं न चेव तस्स भगवतो वचनं, इमस्स च भिक्खुनो दुग्गहीतन्ति' इति हेतं भिक्खवे। छड्डेय्याथा ताणि चे सुते ओसारि यमाणानि विनये सन्दस्सियमानानि, सुते चेव ओसरन्ति, विनये च सन्दिस्सन्ति, निट्ठमेत्थ गन्तब्बं अध्दा इदं तस्स भगवतो वचनं इमस्स च भिक्खुनो सुग्गहीतन्ति इदं भिक्खवे। पठमं महापदेसं धारेय्याय।

किंवा / अथवा

अथ खो भगवा भोगनगरे यथाभिरन्तं विहरित्वा आयस्मन्तं आनन्दं आमन्तेसि 'आयामानन्द। येन पावा, तेनुपसङकमिस्सामा' ति। 'एवं भन्ते' ति खो आयस्मा आनन्दो भगवतो पच्चस्सोसि। अथ खो भगवा महता भिक्खुसंघेन सध्दिं येन पावा तदवसरि। तत्र सुदं भगवा पावायं विहरति चुन्दस्स कम्मार पुत्तस्स अम्बवने। अस्सोसि खो चुन्दो कम्मार पुत्तो - 'भगवा किर पावं अनुप्पत्तो पावाय विहरति मय्हं अम्बवने' ति। अथ खो चुन्दो कम्मारपुत्तो येन भगवा, तेनुपसङकमि उपसङकमित्वा भगवन्तं अभिवादेत्वा एकमन्तं निसीदि।

ब) "वेसालिया पच्छिमदस्सन"" सविस्तर लिहा. **6**
"वेसालिया पच्छिमदस्सन" विस्तार से लिखिए।

किंवा / अथवा

"पुक्कुस। एकेन मं अच्छादेहि, एकेन आनन्दन्ति।" स्पष्ट करा.
"पुक्कुस। एकेन मं अच्छादेहि, एकेन आनन्दन्ति।" स्पष्ट कीजिए।

3. अ) ससंदर्भ भाषांतर करा. **10**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

1) सुसुखं वत। जीवाम वेरिनेसु अवेरिनो।
वेरिनेसु मनुस्सेसु विहराम अवेरिनो॥

2) सुसुखं वत। जीवाम आतुरेसु अनातुरा।
आतुरेसु मनुस्सेसु विहराम अनातुरा॥

3) सुसुखं वत। जीवाम उस्सुकेसु अनुस्सुका।
उस्सुकेसु मनुस्सेसु विहराम अनुस्सुका॥

4) सुसुखं वत। जीवाम येसं नो नत्थि किञ्चनं।
पीतिभक्खा भविस्साम देवा आभस्सरा यथा॥

किंवा / अथवा

1) पियतो जायते सोको पियतो जायते भयं।
पियतो विप्पभुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं॥

2) पेमतो जायते सोको पेमतो जायते भयं।
पेमतो विप्पमुत्तस्स नत्थि, सोको कुतो भयं॥

3) रतिया जायते सोको रतिया जायते भयं।
रतिया विप्पमुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं॥

4) काम तो जायते सोको काम तो जायते भयं।
काम तो विप्पमुत्तस्स नत्थि सोको कुतो भयं॥

ब) दुक्खविहार सुत्ताचा सारांश लिहा. **6**
दुक्खविहार सुत्त का सारांश लिखिए।

किंवा / अथवा

तपनिय सुत्ताचा सारांश लिहा.
तपनिय सुत्त का सारांश लिखिए।

4. अ) कृदन्त शब्द तयार करा **कोणतेही चार.** **4**
कृदन्त शब्द बताईए **कोई भी चार।**

हस, सोत, पस्स, घन, दिस, वद, गच्छ

ब) समास ओळखा **कोणतेही चार.** **4**
समास पहचानिए **कोई भी चार।**

उपकुम्भं, रुक्खसाखा, कण्हसप्पो, लम्बकण्णो, वनचरो, सब्रह्म, गामगती, नीलुप्पलं

क) स्वीकृत माध्यमातून भाषांतर करा. **4**
स्वीकृत माध्यम में अनुवाद कीजिए।

1) दारिका गेहे कम्म करन्ति।

2) अहं एकं भिक्खू सद्धिं विहारे गच्छि।

3) धनिका रथेहि गच्छन्ति।

4) आचरिया लिस्से उपदिस्सन्ति।

ड) पालित भाषांतर करा. **4**
पालि में अनुवाद कीजिए।

1) ती रोहिनी नदी आहे.
वह रोहिणी नदी है।

2) माणूस धम्माला वाचतो.
मनुष्य धम्म को पढता है।

3) तो धम्माला स्मरण करतो.
वह धम्म का स्मरण करता है।

4) मी भात खातो.
मै भात खाता हूँ।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही दोन.** **6**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी दो**

1) महापरिनिब्बाणसुत्त
2) इतिवृत्तक
3) धम्मपद
4) चत्तारिअरियसच्चानि

ब) पर्यायी उत्तर लिहा. **10**
पर्यायी उत्तर लिखिए।

1) दीघनिकायातील महापरिनिब्बाण सुत्तांचा क्रमांक आहे.
दीघनिकाय के महापरिनिब्बाण सुत्त का क्रमांक यह है।
अ) 16 ब) 18
क) 22 ड) 24

2) बुध्दांच्या अंतिम जीवन यात्रेचा प्रवास इथे आहे.
बुध्द के अंतिम जीवन यात्रा का प्रवास यहाँ है।
अ) बुध्दचरितं ब) बुध्दवंस
क) चरियपिटक ड) महापरिनिब्बाणसुत्तं

3) तथागतांना कल्पभर राहावे ही विनंती कोणी केली.
तथागत ने कल्पभर रुकना चाहिए यह विनंती किसने कि थी।
अ) भन्ते अनिरुध्द ब) भन्ते आनन्द
क) भन्ते राहूल ड) भन्ते महाकश्यप

4) विमोक्ष किती आहेत.
विमोक्ष कितने है।

अ) 05 ब) 06

क) 07 ड) 08

5) महापरिनिब्बाण समयी तथागतांचे वय किती होते.
महापरिनिब्बाण समय में तथागत की उम्र कितनी थी।

अ) 79 ब) 80

क) 81 ड) यापैकी नाही

6) तथागतांचा महापरिनिब्बाण कुठे झाला.
तथागत का महापरिनिब्बाण कहाँ हुआ था।

अ) कुसीनारा ब) लुंबिनी

क) राजगृह ड) पावा

7) पालित समास किती आहेत.
पालि में समास कितने है।

अ) 05 ब) 06

क) 07 ड) 08

8) इतिवुत्तक ग्रंथ कुठे येतो.
इतिवुत्तक ग्रंथ कहाँ आता है।

अ) खुद्दकनिकाय ब) अंगुत्तरनिकाय

क) संयुत्तनिकाय ड) मज्झिमनिकाय

9) धम्मपद ग्रंथात किती गाथा आहेत.
धम्मपद ग्रंथ में कूल गाथाएँ कितनी है।

अ) 423 ब) 424

क) 425 ड) 426

10) पालित सन्धि किती आहेत.
पालि में सन्धि कितनी है।

अ) 01 ब) 02

क) 03 ड) 04

****